Indian Express, Ahmedabad, 04/09/2025
Page No. 3, Size:(20.21)cms X (21.30)cms

OF BULLET TRAIN ROUTE

NHSRCL completes 9th steel bridge in state

EXPRESS NEWS SERVICE
VADODARA, SEPTEMBER 3

THE NATIONAL High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) has announced the completion of the ninth steel bridge on the Gujarat stretch of the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail (MAHSR) bullet train corridor. This latest bridge features a 100-meter span across National Highway 48 in Kheda district's Nadiad area.

The NHSRCL said that two 100-metre-long-steel spans were launched over NH-48 near Nadiad to complete the bridge.

"The second 100 m span of 2 X 100 m long steel bridge was successfully launched over NH-48 (connecting Delhi, Mumbai and Chennai) near Nadiad, Gujarat for the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project. The first span of 100 m for this steel bridge was completed in April 2025. This is the ninth steel bridge completed out of the planned 17 steel bridges in Gujarat," NHSRCL said in a statement on Wednesday.

Comprising two spans of 100 m each, this steel bridge weighs around 2,884 metric tons, stands 14.6 meters tall and 14.3 meters wide. Fabricated at the workshop in Salasar, near Hapur, Uttar Pradesh, the steel bridges are designed for a 100 year lifespan, the NHSRCL added.

"NH-48 is one of the busiest highways of six lanes (three lanes on each side). The second span of the bridge was launched on the highway across the three lanes by sliding the span for 100 m from one end. The launching was carried out with a schedule to ensure smooth traffic flow on the highway, minimising disruption to road users," the NHSRCL said.

According to the NHSRCL, the 200-m-long steel bridge has been constructed with approximately 1,14,172 Tor-Shear Type High Strength (TTHS) bolts, C5 system painting, and elastomeric bearings. It was assembled on temporary trestles at a height of 14.9 meters above the ground and was moved using an automatic mechanism with two semi-automatic jacks, each capable of lifting 250 tons, with macalloy bars.

There are 28 steel bridges planned for the entire corridor, out of which, 11 are in Maharashtra and 17 in Gujarat.

28 steel bridges have been planned for the entire corridor. Out of these, 11 are in Maharashtra while 17 are in Gujarat. *NHSRCL*

STEEL BRIDGES COMPLETED SO FAR

- 70 meter bridge across NH53 in Surat
- 100m bridge over Vadodara-Ahmedabad main line of Indian Railways near Nadiad
- 230m bridge over Delhi-Mumbai National Expressway near Vadodara
- 100m bridge near Silvassa in Dadra and Nagar Haveli
- 60m bridge over Western Railways in Vadodara
- 100m and 60m bridges over two Dedicated Freight Corridor tracks and two Western Railway tracks in Surat
- 70m bridge over two DFCC tracks near Vadodara
- 100m bridge over two DFCC tracks near Bharuch
- 200m over NH-48 in Nadiad

Lucknow News, Lucknow, 04/09/2025
Page No. 2, Size:(42.33)cms X (22.60)cms

Ninth Steel Bridge completed in Gujarat for Mumbai-Ahmedabad High-Speed rail

@LUCKNOW NEWS
OUR CORRESPONDENT

GUJARAT: The second 100-meter spa`n of a 200-meter-long steel bridge was successfully launched over National Highway 48 near Nadiad for the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project. The first span was completed in April 2025, making this the ninth out of 17 planned steel bridges completed in Gujarat.

Weighing around 2,884 metric tons and standing 14.6 meters tall, the bridge was fabricated at Salasar near Hapur, Uttar Pradesh, and is designed for a 100-year lifespan. The span was launched across NH-48—one of India's busiest six-lane highways—through a carefully scheduled operation to minimize disruption to traffic.

This 200-meter bridge has been constructed using 1,14,172 high-strength bolts, C5 protective coating, elastomeric bearings, and advanced jacking systems. A total of 28 steel bridges are planned for the corridor, with 17 in Gujarat and 11 in Maharashtra, underscoring steady progress in India's first high-speed rail project.

Dainik Bhaskar, Surat, 05/09/2025
Page No. 3, Size:(29.13)cms X (19.13)cms

सिटी एंकर

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में 28 स्टील ब्रिज बनेंगे

गुजरात में एनएच-48 पर 200 मीटर लंबा बुलेट रेल स्टील ब्रिज तैयार, 100-100 मीटर के दो स्पान लगाए

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत गुजरात के नाडियाड के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर 200 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। यह ब्रिज दो हिस्सों में बना है। 100-100 मीटर लंबे दो स्पान लगाए गए हैं। पहला स्पान अप्रैल 2025 में स्थापित किया गया था, जबकि दूसरा स्पान अब लगाया गया। यह बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का नौवां स्टील ब्रिज है, जो गुजरात में तैयार हुआ है। ब्रिज का कुल वजन लगभग 2884 मीट्रिक टन है। इसकी ऊंचाई 14.6 मीटर और चौड़ाई 14.3 मीटर है। इसे उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के सालासर स्थित कार्यशाला में तैयार किया गया है। आधुनिक तकनीक से बने इस ब्रिज की डिजाइन लाइफ 100 वर्ष रखी गई है।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट: 17 ब्रिज गुजरात और 11 महाराष्ट्र में बनाए जाएंगे

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए कुल 28 स्टील ब्रिज बनाए जा रहे हैं, जिनमें से 17 गुजरात और 11 महाराष्ट्र में हैं। इनमें से 9 स्टील ब्रिज गुजरात में पहले ही पूरे किए जा चुके हैं। एनएच-48 देश के सबसे व्यस्त छह-लेन राजमार्गों में से एक है, जो दिल्ली, मुंबई और चेन्नई को जोड़ता है। यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए पुल के दूसरे स्पैन को एक विशेष तकनीक से धीरे-धीरे खिसकाकर राजमार्ग के तीन लेन के बीच उतारा गया। यह कार्य निश्चित समय-सारिणी के अनुसार किया गया, जिससे सड़क उपयोगकर्ताओं को न्यूनतम परेशानी का सामना करना पड़ा।

Dabang Dunia, Mumbai, 04/09/2025
Page No: 2, Size: 23.97cm × 29.47cm

बुलेट ट्रेन के लिए गुजरात में 100 मीटर का स्टील ब्रिज हुआ पूरा

मुंबई-अहमदाबाद परियोजना का नौवां स्टील ब्रिज

मुश्ताक खान» मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट है। अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए गुजरात के नाडियाड के पास एनएच-48 (दिल्ली, मुंबई और चेन्नई को जोड़ने वाला) पर 2 X 100 मीटर लंबे स्टील ब्रिज के दूसरे 100 मीटर स्पैन का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इस स्टील ब्रिज के लिए 100 मीटर का पहला स्पैन अप्रैल 2025 में पूरा कर लिया गया था। यह गुजरात में नियोजित 17 स्टील ब्रिज में से नौवां स्टील ब्रिज है। 100-100 मीटर के दो स्पैन वाले इस स्टील ब्रिज का वजन लगभग 2884 मीट्रिक टन है। यह 14.6 मीटर उंचा और 14.3 मीटर चौड़ा है। उत्तर प्रदेश के हापुड़ के पास सालासर स्थित एक कार्यशाला में निर्मित, इन स्टील ब्रिज की डिजाइन अवधि 100 वर्ष है। एनएच-48 छह लेन (दोनों तरफ तीन लेन) वाला सबसे व्यस्त राजमार्गों में से एक है।

खबर के मुताबिक पुल के दूसरे स्पैन को एक छोर से 100 मीटर तक खिसकाकर तीन लेन के बीच से राजमार्ग पर उतारा गया। व्यस्त राजमार्ग पर यातायात का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित करने और सड़क उपयोगकर्ताओं को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए यह कार्य एक निश्चित समय-सारिणी के साथ किया गया। 200 मीटर लंबे इस स्टील ब्रिज का निर्माण लगभग 1,14,172 टोर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (Tor-Shear Type High Strength Bolts), C5 सिस्टम पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बियरिंग के साथ किया गया है। ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 14.9 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया और इस mac-alloy bars का उपयोग करते हुए 2 semi-automatic जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज की योजना बनाई गई है। इनमें से 11 स्टील ब्रिज महाराष्ट्र में और 17 गुजरात में हैं।

Do Baje Dopahar, Mumbai, 04/09/2025
Page No: 3, Size: 21.06cm × 11.69cm

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना

गुजरात में स्टील ब्रिज का दूसरा स्पैन पूरा

एनएच-48 पर 2×100 मीटर स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के तहत गुजरात के नाडियाद के पास एनएच-48 पर 2×100 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का दूसरा स्पैन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस स्टील ब्रिज के पहले 100 मीटर के स्पैन का निर्माण अप्रैल 2025 में पूरा किया गया था। यह गुजरात में नियोजित कुल 17 स्टील ब्रिजों में से नौवां है।

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में स्टील ब्रिजों की योजना

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए कुल 28 स्टील ब्रिजों का निर्माण प्रस्तावित है, जिनमें से 11 महाराष्ट्र में और 17 गुजरात में बनाए जाएंगे। इन ब्रिजों के पूरा होने के बाद कॉरिडोर का निर्माण और संचालन और सुगम और सुरक्षित होगा।

ब्रिज की तकनीकी विशेषताएं और निर्माण प्रक्रिया

200 मीटर लंबे इस ब्रिज का वजन लगभग 2884 मीट्रिक टन है, ऊँचाई 14.6 मीटर और चौड़ाई 14.3 मीटर है। इसे उत्तर प्रदेश के हापुड़ के पास सालासर स्थित कार्यशाला में तैयार किया गया और इसकी डिजाइन अवधि 100 वर्ष है। ब्रिज का दूसरा स्पैन एक छोर से खिसकाकर राजमार्ग के तीन लेन के बीच सुरक्षित तरीके से स्थापित किया गया, ताकि एनएच-48 पर यातायात प्रभावित न हो। निर्माण में 1,14,172 टोर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ बोल्ट, C5 सिस्टम पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बियरिंग का उपयोग किया गया। ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 14.9 मीटर ऊँचाई पर स्थापित किया गया और इसे 2 semi-automatic जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है।

Yash Bharat, Mumbai, 04/09/2025
Page No: 4, Size: 9.45cm × 16.11cm

बुलेट ट्रेन के लिए गुजरात में 100 मीटर का स्टील ब्रिज हुआ पूरा

मुंबई-अहमदाबाद परियोजना का नौवां स्टील ब्रिज

मुंबई, यशभारत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट है द्य अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए गुजरात के नाडियाड के पास एनएच-48 (दिल्ली, मुंबई और चेन्नई को जोड़ने वाला) पर 2 × 100 मीटर लंबे स्टील ब्रिज के दूसरे 100 मीटर स्पैन का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इस स्टील ब्रिज के लिए 100 मीटर का पहला स्पैन अप्रैल 2025 में पूरा कर लिया गया था। यह गुजरात में नियोजित 17 स्टील ब्रिज में से नौवां स्टील ब्रिज है।100-100 मीटर के दो स्पैन वाले इस स्टील ब्रिज का वज़न लगभग 2884 मीट्रिक टन है, यह 14.6 मीटर उंचा और 14.3 मीटर चौड़ा है। उत्तर प्रदेश के हापुड़ के पास सालासर स्थित एक कार्यशाला में निर्मित, इन स्टील ब्रिज की डिजाइन अवधि 100 वर्ष है।एनएच-48 छह लेन (दोनों तरफ तीन लेन) वाला सबसे व्यस्त राजमार्गों में से एक है। खबर के मुताबिक पुल के दूसरे स्पैन को एक छोर से 100 मीटर तक खिसकाकर तीन लेन के बीच से राजमार्ग पर उतारा गया। व्यस्त राजमार्ग पर यातायात का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित करने और सड़क उपयोगकर्ताओं को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए यह कार्य एक निश्चित समय-सारिणी के साथ किया गया।200 मीटर लंबे इस स्टील ब्रिज का निर्माण लगभग 1,14,172 टोर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ , C5 सिस्टम पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बियरिंग के साथ किया गया है। ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 14.9 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया और इसे mac-alloy bars का उपयोग करते हुए 2 semi-automatic जैक की स्वचालित प्रणाली से खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है।

Rashtriye Swabhimaan, Mumbai, 04/09/2025
Page No: 4, Size: 21.72cm × 21.93cm

मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में बड़ी प्रगति, गुजरात में 200 मीटर स्टील ब्रिज का दूसरा स्पैन तैयार

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर देश की सबसे महत्वाकांक्षी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में से एक है। इस प्रोजेक्ट के तहत गुजरात के नाडियाद के पास एनएच-48 पर 2×100 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का दूसरा स्पैन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह ब्रिज न सिर्फ तकनीकी दृष्टि से चुनौतीपूर्ण था, बल्कि इसकी स्थापना भी यातायात बाधित किए बिना पूरी की गई, जो इंजीनियरिंग का बेहतरीन उदाहरण माना जा रहा है।

गुजरात में बनने वाले 17 स्टील ब्रिजों में से यह नौवां है। इसका पहला 100 मीटर का स्पैन अप्रैल 2025 में स्थापित किया गया था और अब दूसरा स्पैन भी जुड़ जाने से यह ब्रिज पूरी तरह खड़ा हो गया है।

तकनीकी रूप से यह ब्रिज बेहद खास है। 200 मीटर लंबा यह ढांचा लगभग 2884 मीट्रिक टन वजनी है, जिसकी ऊँचाई 14.6 मीटर और चौड़ाई 14.3 मीटर है। इसे उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के सालासर स्थित कार्यशाला में तैयार किया गया और इसकी डिजाइन उम्र 100 वर्ष तय की गई है। निर्माण प्रक्रिया में 1,14,172 टोर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ बोल्ट का इस्तेमाल किया गया। ब्रिज को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए C5 सिस्टम पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बियरिंग तकनीक अपनाई गई।

स्थापना प्रक्रिया भी कम दिलचस्प नहीं रही। ब्रिज का दूसरा स्पैन राजमार्ग के तीन लेनों के बीच अस्थायी ट्रेस्टल्स पर 14.9 मीटर की ऊँचाई पर सेट किया गया। इसके बाद 250 टन क्षमता वाले 2 semi-automatic जैक की मदद से इसे खिसका कर अपनी जगह पर फिट किया गया। इस तरह एनएच-48 पर यातायात पूरी तरह सुरक्षित और सुचारु रखा गया।

पूरे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए कुल 28 स्टील ब्रिज बनाए जाने की योजना है, जिनमें से 11 महाराष्ट्र और 17 गुजरात में होंगे। इन ब्रिजों के निर्माण से कॉरिडोर की मजबूती और सुरक्षा और बढ़ेगी, जिससे ट्रेन का संचालन बिना किसी बाधा के संभव हो सकेगा।

Divya Bhaskar, Surat, 04/09/2025
Page No. 10, Size:(8.81)cms X (21.48)cms

Work on a total of 9 iron bridges in the state has been completed for the bullet train.

બુલેટ ટ્રેન માટે રાજ્યમાં કુલ લોખંડના 9 બ્રિજનું કામ પૂરું

અમદાવાદ । બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે 2x100 મીટર લાંબા લોખંડના બ્રિજનો સ્પાન લોંચ કરાયો છે. નડિયાદ નજીક નેશનલ હાઈવે પર આ સ્પાન લોંચ કરવા સાથે ગુજરાતમાં તૈયાર થનારા લોખંડના કુલ 17 બ્રિજમાંથી આ 9મા બ્રિજનું કામ પૂરું થયું છે.

હાઈસ્પીડ રેલ કોર્પોરેશનના અધિકારીએ જણાવ્યું કે 100 મીટરના 2 સ્પાન ધરાવતા બ્રિજનું વજન લગભગ 2884 મેટ્રિક ટન છે. જ્યારે તેની ઊંચાઈ 14.6 મીટર અને પહોળાઈ 14.3 મીટર છે. આ સ્પાન ઉત્તર પ્રદેશના હાપુર નજીક સલસર ખાતેના વર્કશોપમાં તૈયાર કરવામાં આવ્યું છે.

Gujarat Guardian, Surat, 04/09/2025
Page No. 3, Size:(27.81)cms X (18.71)cms

Second 100-meter span of 2 X 100-meter long iron bridge for Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project successfully completed

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે 2 X 100 મીટર લાંબા લોખંડના પુલનો બીજો 100 મીટર સ્પાન સફળતાપૂર્વક ગુજરાતના નડિયાદ નજીક એનએચ-48 ઉપર લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે. આ લોખંડ પુલનો પહેલો 100 મીટરનો સ્પાન એપ્રિલ 2025ના મહિનામાં પૂર્ણ થયો હતો. ગુજરાતમાં આયોજન કરાયેલા 17 લોખંડના પુલમાંથી આ નવમો લોખંડ પુલ પૂર્ણ થયો છે. 100 મીટરના બે સ્પાનનો સમાવેશ કરતો આ લોખંડ પુલ અંદાજે 2884 મેટ્રિક ટન વજનનો છે, તેની ઊંચાઈ 14.6 મીટર અને પહોળાઈ 14.3 મીટર છે. ઉત્તર પ્રદેશના હાપુર નજીક સલસર ખાતે આવેલી વર્કશોપમાં તેનું ફેબ્રિકેશન કરવામાં આવ્યું છે. આ લોખંડ પુલને 100 વર્ષના આયુષ્ય માટે ડિઝાઇન કરવામાં આવ્યા છે. 200 મીટર લાંબો આ લોખંડ પુલ અંદાજે 1,14,172 ટોર-શિયર પ્રકારના હાઈ સ્ટ્રેન્થ (ટીટીએચએસ) બોલ્ટ્સ, સીઠ સિસ્ટમ પેઈન્ટિંગ અને ઇલાસ્ટોમેરિક બેરિંગ્સ સાથે બનાવવામાં આવ્યો છે. તેને જમીન પરથી 14.9 મીટરની ઊંચાઈએ તાત્કાલિક ટ્રેસ્ટલ્સ પર એસેમ્બલ કરવામાં આવ્યો હતો અને તેને મેક-એલોય બાર્સ સાથેના બે અર્ધ-સ્વચાલિત જેક્સ (દરેકની ક્ષમતા 250 ટન ઉઠાવવાની) અને સ્વચાલિત મિકેનિઝમનો ઉપયોગ કરીને ખસેડવામાં આવ્યો હતો.

Gujarat Samachar, Ahmedabad, 04/09/2025
Page No. 5, Size:(26.72)cms X (27.12)cms

200-meter long bullet train bridge ready on National Highway near Nadiad

નડિયાદ નજીક નેશલન હાઈવે પર ૨૦૦ મીટર લાંબો બુલેટ ટ્રેનનો પૂલ તૈયાર

ગુજરાતના નડિયાદ નજીક પસાર થતાં નેશનલ હાઈવે-૪૮ ઉપર પસાર થતાં અમદાવાદ- મુંબઈ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ હેઠળ ૧૦૦-૧૦૦ મીટર લાંબા બે સ્પાનને સફળતાપૂર્વક લોન્ચ કરી પુલને સંપૂર્ણ રીતે તૈયાર કરવામાં આવ્યો છે. ગુજરાતના ૧૭ પુલ પૈકીનો નવમો પુલ તૈયાર કરાયો છે. જેનું વજન અંદાજે ૨૮૮૪ મેટ્રિક ટન, ઉંચાઈ ૧૪.૬ મીટર અને પહોળાઈ ૧૪.૩ મીટર છે. આ પુલનું ફેબ્રિકેશન ઉત્તરપ્રદેશના હાપુર નજીક સલસર ખાતે આવેલા વર્કશોપમાં કરાયું હતું. પુલનું આયુષ્ય અંદાજે ૧૦૦ વર્ષ જેટલું રહે તે રીતે ડિઝાઈન કરાયો છે.

Divya Bhaskar, Ahmedabad, 04/09/2025
Page No. 18, Size:(9.63)cms X (12.94)cms

Work on a total of 9 iron bridges in the state has been completed for the bullet train.

બુલેટ ટ્રેન માટે રાજ્યમાં કુલ લોખંડના 9 બ્રિજનું કામ પૂરું

NH પર નડિયાદ નજીક સ્પાન લોન્ચ કરાયો

ભાસ્કર ન્યૂઝ | અમદાવાદ

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે 2x100 મીટર લાંબા લોખંડના બ્રિજનો સ્પાન લૉંચ કરાયો છે. નડિયાદ નજીક નેશનલ હાઈવે પર આ સ્પાન લૉંચ કરવા સાથે ગુજરાતમાં તૈયાર થનારા લોખંડના કુલ 17 બ્રિજમાંથી આ 9મા બ્રિજનું કામ પૂરું થયું છે.

હાઈસ્પીડ રેલ કોર્પોરેશનના અધિકારીએ જણાવ્યું કે 100 મીટરના 2 સ્પાન ધરાવતા બ્રિજનું વજન લગભગ 2884 મેટ્રિક ટન છે. જ્યારે તેની ઊંચાઈ 14.6 મીટર અને પહોળાઈ 14.3 મીટર છે. આ સ્પાન ઉત્તર પ્રદેશના હાપુર નજીક સલસર ખાતેના વર્કશોપમાં તૈયાર કરવામાં આવ્યું છે. આ લોખંડના બ્રિજને 100 વર્ષના આયુષ્ય માટે ડિઝાઈન કરવામાં આવ્યો છે. નેશનલ હાઈવ - 48 દેશના સૌથી વ્યસ્ત છ-લેન હાઈવેમાંથી એક છે. સતત વ્યસ્ત રહેતા આ હાઈવે પર ટ્રાફિક મૂવમેન્ટને કોઈ સમસ્યા કે અસુવિધા ન થાય તે રીતે આ સ્પાનને લૉંચ કરવામાં આવ્યો છે.

Loksatta, Mumbai, 05/09/2025
Page No. 16, Size:(19.82)cms X (42.84)cms

Ninth iron bridge in bullet train project completed

बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील नववा लोखंडी पूल पूर्ण

गुजरातच्या नाडियादजवळ काम

लोकसत्ता प्रतिनिधी

मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी २०० मीटर लांबीचा लोखंडी पुलाचा दुसरा १०० मीटरचा टप्पा गुजरातमधील नाडियादजवळील राष्ट्रीय महामार्ग ४८ (एनएच-४८) वर यशस्वीरित्या उभारण्यात आला आहे. गुजरातमध्ये नियोजित १७ लोखंडी पुलांपैकी हा प्रकल्पासाठी पूर्ण झालेला नववा पूल आहे.

दिल्ली, मुंबई आणि चेन्नईला जोडणारा सहा पदरी राष्ट्रीय महामार्ग ४८ हा सर्वात वर्दळीच्या महामार्गांपैकी एक आहे. पुलाचा दुसरा टप्पा महामार्गावर तीन पदर ओलांडून एका टोकापासून १०० मीटर सरकवून उभारण्यात आला आहे. पहिला १०० मीटरचा स्पॅन एप्रिल २०२५ मध्ये उभारण्यात आला होता. व्यस्त महामार्गावर सुरळीत वाहतूक सुनिश्चित करण्यासाठी आणि वाहनचालकांना कमीतकमी त्रास होण्याच्या उद्देशाने स्पॅन उभारण्याचे काम नियोजित वेळापत्रकानुसार केले गेले होते, अशी माहिती नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडद्वारे (एनएचएसआरसीएल) देण्यात आली. दरम्यान, मेक इन इंडियाच्या धर्तीवर हा पूल उभा केला आहे. बुलेट ट्रेन प्रकल्पात लोखंडी पुलाची उभारणी केली जात असल्याने, देशातील लोखंड उद्योगाला चालना मिळत असल्याचे मत नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडच्या वरिष्ठ अधिकाऱ्यांनी व्यक्त केले.

१० किमीचे २८ लोखंडी पूल

मुंबई- अहमदाबाद बुलेट ट्रेन ५०८ किमीचा प्रकल्प असून या प्रकल्पाची ११ टप्प्यात विभागणी केली आहे. यामध्ये ४६५ किमी लांबीचे व्हायाडक्ट (लांबलचक पूल), १२ स्थानके, १० किमीचे २८ स्टील पूल, २४ नदी पूल, ९७ किमी लांबीचा बोगदा तयार केला जाईल. राज्यात शीळफाटा ते गुजरात सीमेवरील झरोली गावापर्यंत १३५ किमीचे काम करण्यात येत आहे. राज्यात ठाणे, विरार, बोईसर तीन स्थानकांच्या पायाभरणीचे काम सुरू आहे. पायाभरणी सुरू होणारे बोईसर स्थानक हे पहिले स्थानक आहे.

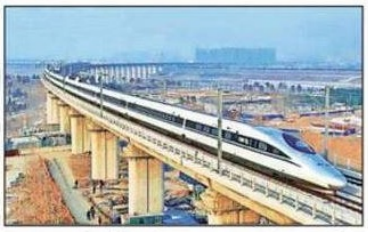

प्रत्येक १०० मीटरच्या दोन स्पॅननी बनलेला हा पूल सुमारे २,८८४ मेट्रिक टन वजनाचा आहे. १४.६ मीटर उंच आहे.

ManavMitra, Gandhinagar, 04/09/2025
Page No. 3, Size:(17.54)cms X (25.06)cms

Bullet Train: Second span of 100-meter-long iron bridge launched near Nadiad

બુલેટ ટ્રેન : નડિયાદ નજીક ૧૦૦ મીટર લાંબા લોખંડના પુલનો બીજો સ્પાન લોન્ચ કરાયો

અમદાવાદ

મુંબઈ અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે ગુજરાતના નડિયાદ નજીક દ્વઉઁ-૪૮ પર ર ટ ૧૦૦ મીટર લાંબા લોખંડના પુલનો બીજો સ્પાન સફળતાપૂર્વક લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે. આ પુલ ગુજરાતમાં આયોજિત ૧૭ લોખંડના પુલમાંથી નવમો છે, જેનું કામ પૂર્ણ થયું છે. આ પુલનો પહેલો સ્પાન એપ્રિલ ૨૦૨૫માં જ પૂરો થઈ ગયો હતો.આ ૨૦૦ મીટર લાંબો પુલ અનેક રીતે ખાસ છે.વજન અને માપ: તેનું વજન લગભગ ૨,૮૮૪ મેટ્રિક ટન છે, ઊંચાઈ ૧૪.૬ મીટર અને પહોળાઈ ૧૪.૩ મીટર છે.

આયુષ્ય: આ પુલને ૧૦૦ વર્ષના લાંબા આયુષ્ય માટે ડિઝાઈન કરવામાં આવ્યો છે.

નિર્માણ: તેનું ફેબ્રિકેશન ઉત્તર પ્રદેશના હાપુર નજીક સલસર ખાતે કરવામાં આવ્યું છે.

ટેકનિકલ પાસાં: પુલના નિર્માણમાં ૧,૧૪,૧૭૨ હાઈ સ્ટ્રેન્થ બોલ્ટ્સ અને ઈલાસ્ટોમેરિક બેરિંગ્સનો ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો છે. લોન્ચિંગ માટે અર્ધ-સ્વચાલિત જેક્સ અને સ્વચાલિત મિકેનિઝમનો ઉપયોગ થયો હતો, જેનાથી કામગીરી સરળ બની.

NH-48, જે દિલ્હી, મુંબઈ અને ચેન્નઈને જોડે છે, તે દેશના સૌથી વ્યસ્ત હાઈવેમાંનો એક છે. પુલના બીજા સ્પાનને હાઈવે પરની ત્રણ લેન પરથી ૧૦૦ મીટર સુધી સરકાવીને લોન્ચ કરવામાં આવ્યો હતો. આ લોન્ચિંગનું આયોજન એવી રીતે કરવામાં આવ્યું હતું કે ટ્રાફિકને કોઈ મોટી અડચણ ન આવે અને વાહનચાલકોને ઓછામાં ઓછી અસુવિધા થાય.સમગ્ર કોરિડોરમાં કુલ ૨૮ લોખંડના પુલનું નિર્માણ થવાનું છે, જેમાંથી ૧૧ મહારાષ્ટ્રમાં અને ૧૭ ગુજરાતમાં બનશે. આ પ્રોજેક્ટ ભારતના ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર વિકાસમાં એક મહત્વપૂર્ણ સીમાચિહ્નરૂપ છે.